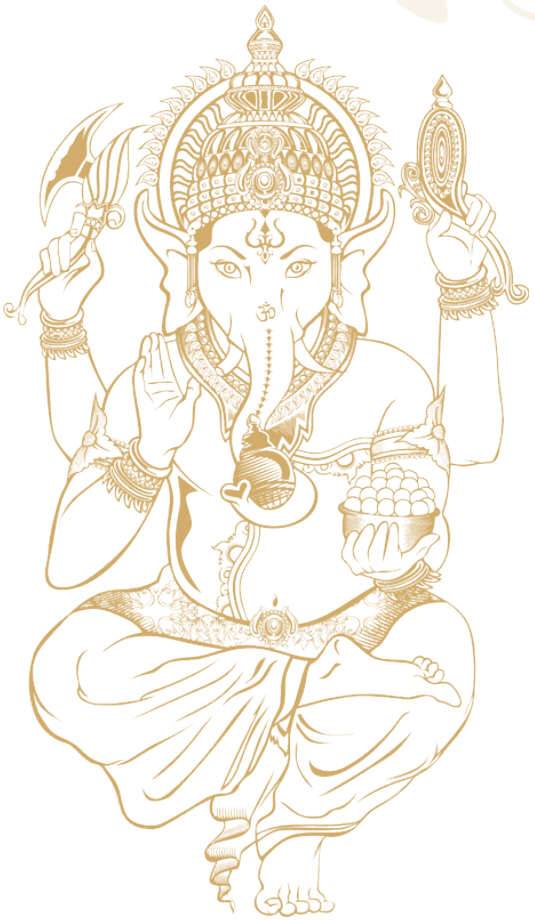

Ashok Joshi

02 Nov 1982

02:50 AM

Delhi University

Model: web-freekundliweb

Order No: 121101006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/11/1982**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:50:00 घंटे**
इष्ट	50:42:17 घटी
स्थान	**Delhi University**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	28:42:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:28:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	05:12:12 घंटे
सूर्योदय	06:33:05 घंटे
सूर्यास्त	17:36:14 घंटे
दिनमान	11:03:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:30:42 तुला
लग्न के अंश	25:52:07 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:52:07	317:08:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			तुला	15:30:42	01:00:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			मेष	20:09:03	14:18:43	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	07:04:44	00:44:44	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	04:28:40	01:38:44	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु		अ	तुला	24:40:54	00:13:09	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	तुला	14:57:20	01:15:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	03:15:04	00:07:11	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		मिथु	12:07:33	00:08:10	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:07:33	00:08:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	09:43:56	00:03:27	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप			धनु	01:30:55	00:01:42	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	03:44:27	00:02:23	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	25:23:47	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:43

लग्न-चलित

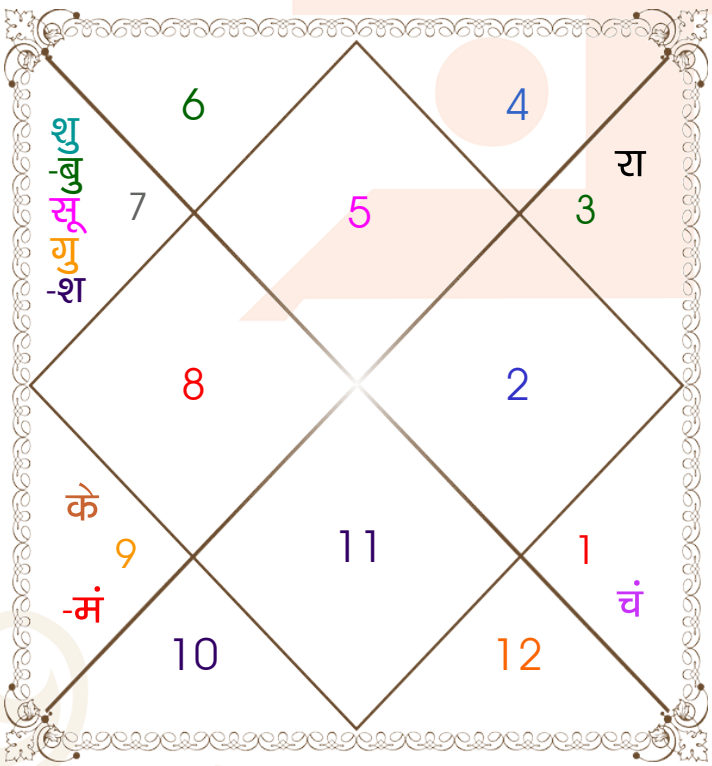

चन्द्र कुंडली

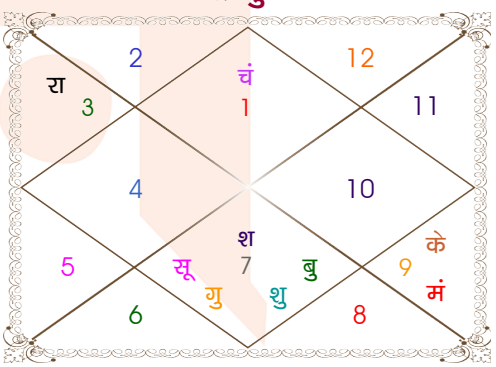

नवमांश कुंडली

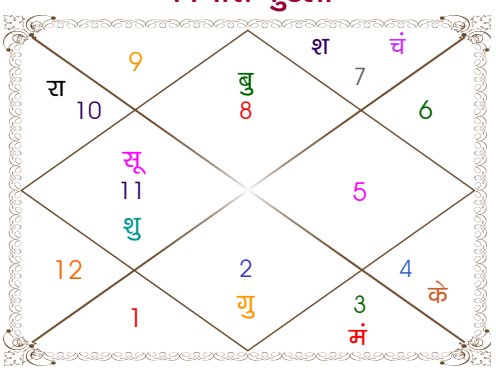

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 9 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/11/1982		10/08/1992		11/08/1998		10/08/2008		11/08/2015	
10/08/1992		11/08/1998		10/08/2008		11/08/2015		11/08/2033	
	00/00/0000	सूर्य	28/11/1992	चंद्र	11/06/1999	मंगल	07/01/2009	राहु	23/04/2018
	00/00/0000	चंद्र	30/05/1993	मंगल	10/01/2000	राहु	25/01/2010	गुरु	16/09/2020
	00/00/0000	मंगल	04/10/1993	राहु	11/07/2001	गुरु	01/01/2011	शनि	24/07/2023
	00/00/0000	राहु	29/08/1994	गुरु	10/11/2002	शनि	10/02/2012	बुध	09/02/2026
	02/11/1982	गुरु	17/06/1995	शनि	11/06/2004	बुध	06/02/2013	केतु	28/02/2027
गुरु	11/06/1985	शनि	29/05/1996	बुध	10/11/2005	केतु	05/07/2013	शुक्र	28/02/2030
शनि	10/08/1988	बुध	05/04/1997	केतु	11/06/2006	शुक्र	04/09/2014	सूर्य	22/01/2031
बुध	11/06/1991	केतु	11/08/1997	शुक्र	10/02/2008	सूर्य	10/01/2015	चंद्र	23/07/2032
केतु	10/08/1992	शुक्र	11/08/1998	सूर्य	10/08/2008	चंद्र	11/08/2015	मंगल	11/08/2033

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/08/2033		11/08/2049		10/08/2068		11/08/2085		10/08/2092	
11/08/2049		10/08/2068		11/08/2085		10/08/2092		00/00/0000	
गुरु	29/09/2035	शनि	13/08/2052	बुध	07/01/2071	केतु	07/01/2086	शुक्र	11/12/2095
शनि	11/04/2038	बुध	24/04/2055	केतु	04/01/2072	शुक्र	09/03/2087	सूर्य	10/12/2096
बुध	17/07/2040	केतु	01/06/2056	शुक्र	04/11/2074	सूर्य	15/07/2087	चंद्र	11/08/2098
केतु	23/06/2041	शुक्र	02/08/2059	सूर्य	11/09/2075	चंद्र	13/02/2088	मंगल	11/10/2099
शुक्र	22/02/2044	सूर्य	14/07/2060	चंद्र	09/02/2077	मंगल	11/07/2088	राहु	12/10/2102
सूर्य	10/12/2044	चंद्र	12/02/2062	मंगल	06/02/2078	राहु	30/07/2089	गुरु	03/11/2102
चंद्र	11/04/2046	मंगल	24/03/2063	राहु	26/08/2080	गुरु	05/07/2090		00/00/0000
मंगल	18/03/2047	राहु	28/01/2066	गुरु	02/12/2082	शनि	14/08/2091		00/00/0000
राहु	11/08/2049	गुरु	10/08/2068	शनि	11/08/2085	बुध	10/08/2092		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।